प्रेस विज्ञप्ति

02 दिसंबर, 2017

एमपी बिड़ला सीमेंट और मोहन बागान एसी एक साथ आए

एमपी बिड़ला सीमेंट, बिड़ला कॉर्पोरेशन लिमिटेड की प्रमुख सीमेंट ब्रांड कंपनी, जो कि एमपी बिड़ला समूह की प्रमुख कंपनी है, ने 2017–18 के आगामी फुटबॉल सीजन के लिए मोहन बागान एथलेटिक क्लब के साथ सहभागिता करने का ऐलान किया है। यह सहभागिता 21 नवम्बर 2017 को हीरो आई– लीग की शुरुआत के साथ शुरू हो चुकी है। मोहन बागान का बिग डर्बी मैच 3 दिसंबर, 2017 को ईस्ट बंगाल के साथ होगा। इस साझेदारी में वे सभी टूर्नामेंट शामिल होंगे जिनमें आने वाले फुटबॉल सीजन में मोहन बागान की टीम खेलेगी।

मोहन बागान एथलेटिक क्लब का समृद्ध विरासत और इतिहास है, इसके प्रशंसक पूरे देश के साथ ही पूरी दुनिया में लाखों–करोड़ों की संख्या में हैं। यह उत्साह, उत्साह और ऊर्जा का दूसरा नाम है और एम पी बिड़ला सीमेंट भी इन गुणों के लिए जाता है।

यह सहभागिता बिड़ला कॉर्पोरेशन लिमिटेड के लिए खेल की दुनिया में पहला कदम है। खेल की दुनिया में एक सक्रिय भागीदारी से अपने लक्ष्य दर्शकों के बीच ब्रांड की दृश्यता भी बढ़ेगी।

इस सहभागिता पर प्रतिक्रिया देते हुए श्री संदीप रंजन घोष, एग्जीक्यूटिव प्रेसिडेंट, बिक्री, लॉजिस्टिक्स एवं मार्केटिंग, बिड़ला कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने कहा कि ''फुटबॉल पूरे देश में लोकप्रियता प्राप्त कर रही है, खासकर पूर्वी क्षेत्र में इसे बेहद पसंद किया जाता है। इस विरासती खेल की लोकप्रियता को और बढ़ावा देने के लिए, हमने खुद को मोहन बागान एथलेटिक क्लब के साथ जोड़ा है, जिसकी एक संपन्न विरासत है और इसे राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रियता प्राप्त है।''

श्री सिरींजॉय बोस, मोहन बागान एसी, ने इस सहभागिता का स्वागत किया और कहा कि ''हम एमपी बिड़ला सीमेंट के साथ हमारे संबंधों पर गर्व है। हम बोर्ड पर उनका स्वागत करते हैं। इस सहयोग से दोनों संगठनों को फायदा होगा और भारत में फुटबॉल को और प्रसारित करने में काफी मदद मिलेगी।''

बिड़ला कॉर्पोरेशन लिमिटेड

बिड़ला कॉर्पोरेशन लिमिटेड की सीमेंट डिवीजन, एमपी बिड़ला समूह की एक प्रमुख कंपनी है, जिसके सात स्थानों पर 10 संयंत्र हैं जिनमें सतना, रायबरेली, चंदेरिया, दुर्गापुर, मैहर, कुंदनगंज और बुटीबोरी शामिल हैं। इन 10 यूनिट्स की कुल स्थापित क्षमता लगभग 15.5 मिलियन टन है।

कंपनी ने रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की सहायक कंपनी रिलायंस सीमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (रिलायंस सीमेंट) के 100 प्रतिशत शेयरों को खरीद लिया है। इस अधिग्रहण के बाद, रिलायंस सीमेंट बिड़ला कॉर्पोरेशन लिमिटेड की एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक सहायक कंपनी बन गई है। इस अधिग्रहण ने बिड़ला कॉर्पोरेशन लिमिटेड को उच्च गुणवत्ता वाले संपत्तियों का स्वामित्व प्रदान किया है।

बिड़ला कॉर्पोरेशन लिमिटेड देश में शीर्ष 10 सीमेंट निर्माताओं में से एक है, जो कि सीमेंट की संपूर्ण रेंज का निर्माण करता है जिनमें पोर्टलैंड पोजजोलाना सीमेंट (पीपीसी), पोर्टलैंड स्लैग सीमेंट (पीएससी), सामान्य पोर्टलैंड सीमेंट (ओपीसी) और सल्फेट रेसिस्टेंट पोर्टलैंड सीमेंट शामिल हैं।

कंपनी के सभी संयंत्रों में बेहद आधुनिक प्रक्रियाओं के तहत अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करते हुए सटीक निर्माण के लिए बेहतरीन गुणवत्ता के सीमेंट निर्मित किया जाता है। पीसने वाला बेहतरीन उपकरण तेजी से निर्माण के लिए बेहतरीन ग्रेन सीमेंट का उत्पादन करते हैं, जिससे समय और पैसे, दोनों की बचत होती है। संयंत्र, आईएसओ 9001:2000 से प्रमाणित हैं, जो उत्पादन और विपणन की पूरी श्रृंखला को कवर करती हैं। सीमेंट डिवीजन में दो उच्च–राख कोयला आधारित कैप्टिव पावर प्लांट हैं जो कि सतना (27 मेगावाट) और चंदेरिया (29.8 मेगावाट) क्षमता के हैं।

कंपनी के कुल बिक्री कारोबार में 90 प्रतिशत हिस्सा इसकी अकेली सीमेंट डिवीजन से ही आता है। वर्ष 2016–17 में, कंपनी का कुल कारोबार 4,981 करोड़ रुपए था और इसमें अकेले सीमेंट डिवीजन का योगदान 4,643 करोड़ रुपए था।

,,

मोहन बागान एथलेटिक क्लब को 1889 में भूपेंद्र नाथ बोस द्वारा स्थापित किया गया था और भारत का सबसे पुराना मौजूदा फुटबॉल क्लब है। यह आई–लीग में खेलता है और बेहद जोश से भारतीय फुटबॉल की घरेलू लीग में भी खेलता है। इसने तीन बार प्रतिष्ठित राष्ट्रीय फुटबॉल लीग और आई–लीग को एक बार जीत लिया है। फेडरेशन कप के इतिहास में सबसे सफल टीम ने चैम्पियनशिप को रिकॉर्ड 14 बार जीता है। क्लब ने कई अन्य ट्राफियां भी जीती हैं, जिसमें डुरंड कप (16 बार), आईएफए शील्ड (22 बार) और कलकत्ता फुटबॉल लीग (29 बार) शामिल हैं। यह कोलकाता डर्बी में भी अपने पुराने प्रतिस्पर्धी ईस्ट बंगाल के साथ भी खेलता है।

1988 में अपने शताब्दी वर्ष में, इसे राष्ट्रीय क्लब ऑफ इंडिया घोषित किया गया था।

1911 में, मोहन बागान एथलेटिक क्लब ने 29 जुलाई 1911 को ईस्ट यॉर्कशायर रेजिमेंट को 2–1 से हराकर आईएफए शील्ड जीतने वाले पहले भारतीय क्लब बनकर इतिहास रच दिया था। ज्यादातर मोहन बागान खिलाड़ियों ने नंगे पैर खेला जबकि ईस्ट यॉर्कशायर रेजिमेंट ने फुटबॉल के सभी साजो–सामान के साथ खेले । यह जीत भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में एक शानदार जीत मानी जाती है।

आगे जानकारी के लिए, कृपया संपर्क करें:

Vinay Sharma
Radiance Public Relations
Mob: 9219506887
Email: vinayradiance@gmail.com